“चबाना” का क्या मतलब है? (य Job 30:3)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

य Job 30:2–3

“उनके हाथों की शक्ति मेरे लिए क्या काम आई, जब उनकी ताकत
उनसे चली गई थी?
भूख और अभाव से थके हुए, वे सुनसान मरुभूमि में रात को सूखी मिट्टी चबाते थे।”

इस संदर्भ में, Job उन लोगों का चित्र खींच रहे हैं जो पूरी तरह टूट चुके हैं—गरीब, कमजोर और समाज द्वारा परित्यक्त। “सूखी मिट्टी चबाना” इस हताशा को दर्शाता है जिसमें लोग जीवन के लिए संघर्ष करते हैं, उनके पास कुछ भी नहीं बचा सिवाय बंजर धरती के। यह पीड़ा उनकी गरिमा, शक्ति और जीवन के उद्देश्य को छीन लेती है।

यह केवल शारीरिक कष्ट का वर्णन नहीं है। यह उन लोगों की स्थिति का प्रतीक है जो परमेश्वर की उपस्थिति से दूर रहते हैं—जो अपनी सीमित शक्ति पर निर्भर हैं या जिन्हें समाज ने छोड़ दिया है। यह बताता है कि जब हम मनुष्य पर भरोसा करते हैं न कि परमेश्वर पर, तो आध्यात्मिक परिणाम कैसा होता है।

इसी विचार को यिर्मयाह 17:5–6 में भी बताया गया है:

“चबाना” का क्या मतलब है? (य Job 30:3)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

5 “यहोवा कहता है: ‘धन्य नहीं है वह जो मनुष्य पर भरोसा करता है और केवल अपने शरीर की ताकत से शक्ति लेता है और जिसका
हृदय यहोवा से हट जाता है।’
6 वह व्यक्ति मरुभूमि में उगी झाड़ी के समान होगा; जब भला
आएगा, वह उसे नहीं देखेगा।
वह सूखी जगहों में और ऐसी नमक भूमि में निवास करेगा जहाँ कोई नहीं रहता।”

जब हम केवल मानव शक्ति पर भरोसा करते हैं—चाहे वह हमारी खुद की हो या किसी और की—हम जीवन के स्रोत से खुद को दूर कर लेते हैं। जैसे Job ने वर्णित किया, हम आध्यात्मिक रूप से सूखे और खाली हो जाते हैं, और निर्जीव जगहों में जीने के लिए संघर्ष करते हैं।

लेकिन जब हम यहोवा पर भरोसा करते हैं, तो परिणाम बिलकुल अलग होता है:

यिर्मयाह 17:7–8

7 “परन्तु धन्य है वह जो यहोवा पपर भरोसा करता है, जिसकी आशा उसी में है।

“चबाना” का क्या मतलब है? (य Job 30:3)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

8 वह उस वृक्ष की तरह होगा जिसे जल के पास लगाया गया है,
जिसकी जड़ें धाराओं के पास फैली हैं, और वह गर्मी के समय भी
फल देगा; उसके पत्ते हरे रहेंगे, और जो कुछ वह करता है उसमें सफलता होगी।”

आइए हम उन लोगों की तरह न हों जो आध्यात्मिक सूखापन में “सूखी मिट्टी चबाते हैं।” इसके बजाय, हम अपना पूरा भरोसा परमेश्वर में रखें, जो हमें जीवित जल, शक्ति और पुनर्स्थापन देता है—मौसम चाहे जैसा भी हो।

आओ, प्रभु यीशु!

Share on:
WhatsApp

Print this post